हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, बुधवार 27 मई 2026

तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 23.0 डिग्री

15 राजापड़ाव क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को तरस रहे…

16 नागझर में उमड़ा 15 गांवों का जनसैलाब, 1117…

सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण
शरद कम्प्यूटर एजुकेशन, राजिम
Tally Prime, ERP- 9 With GST, MS Office, फ़ोटो शॉप, पेजमेकर, ग्राफिक्स डिजाइन
यूनिवर्सिटी कोर्स DCA , PGDCA छात्रवृत्ति सुविधा।
रेगुलर एवं प्राइवेट कोर्स छात्रवृत्ति सुविधाएं के साथ उपलब्ध।
पता : नवीन भवन यादव ठेठवार समाज बस स्टेण्ड के पास - राजिम, मो - 98261- 96073

खबर संक्षेप

ईद पर आज ईदगाह में अदा की जाएगी नमाज

मैनपुर। ईद उल अजहा पर्व को लेकर मुस्लिम समाज द्वारा जोरशोर से तैयारी किया जा रहा है। मैनपुर ईदगाह की साफ सफाई रंग रोगन का कार्य किया जा रहा है। 28 मई दिन गुरूवार को सुबह 8 बजे मैनपुर ईदगांव मे ईदल उल अजहा की नमाज अदा की जाएगी। मुस्लिम समाज मैनपुर के कमेटी सदस्य जाहिद रजा, अजहर मेमन, गफ्फू मेमन, शेख हुसैन, असलम मेमन, सुल्तान मेमन, अनिश सोलंकी, हैदर मेमन, मकसुद भाई एवं नजीब बेग ने बताया कि सुबह 7:30 बजे रजा मस्जिद मैनपुर से जुलुस निकाली जायेगी और 8 बजे ईदगाह मे ईद की नमाज अदा कर प्रदेश और देश में अमन खुशहाली के लिए दुआ मांगी जाएगी।

सरपंच संघ की बैठक आज

राजिम। ब्लॉक सरपंच संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आज 27 मई बुधवार को प्रातः 11 बजे फिंगेश्वर रेस्ट हाउस में आयोजित की गई है।

यह जानकारी देते हुए सरपंच संघ के अध्यक्ष हरीश साहू ने बताया कि बैठक में पंचायतों के विकास कार्यों, ग्रामीण समस्याओं, शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, पंचायत प्रतिनिधियों से जुड़े विषयों तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने विकासखंड के सभी सरपंचों से अपील किया है कि निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने हैं, इसलिए सभी सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है।

28 मई को बकरीद पर अवकाश

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के अनुसार वर्ष 2026 के लिए अवकाश घोषित किए गए थे। जिसमें सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश की सूची में ईद-उल-जुहा (बकरीद) के लिए बुधवार, 27 मई 2026 को अवकाश घोषित किया गया था। राज्य शासन द्वारा पूर्व में जारी उक्त अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, ईद-उल-जुहा (बकरीद) के पर्व के लिए पूर्व में घोषित अवकाश दिनांक 27 मई, 2026, दिन-बुधवार के स्थान पर दिनांक 28 मई दिन-गुरूवार को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है।

भतीजे ने की मारपीट

महासमुंद। नशे की हालत में एक व्यक्ति के साथ मारपीट के मामले में आरोपी के विरूद्ध कोमाखान थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस को करहीडीह के जगन्नाथ साहू (65 वर्ष) ने बताया कि 25 मई को रात 8 बजे वह अपने घर में था, तभी उसका भतीजा लिलेश्वर साहू उर्फ लीलू शराब के नशे में गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देकर डंडे से मारपीट किया।

आक्रोश : निजी अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप, कलेक्टर के आश्वासन के बाद खुला जाम

प्रसूता की मौत पर फूटा गुस्सा, एनएच पर शव रखकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के देवभोग में हुई एक प्रसूता की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। जिस घर में बच्चे के जन्म की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। एक मां की मौत के बाद सिर्फ परिवार ही नहीं, पूरा गांव आक्रोश से भर उठा।देवभोग स्थित निजी देवमाता श्री हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लग रहे हैं। घटना के बाद गुस्साए परिजन और ग्रामीण सड़क पर उतर आए और नेशनल हाईवे 130 सी पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मृतिका की पहचान भानुमति मांझी (30 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रसव के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन प्रसव के दौरान हालत बिगड़ने लगी और समय रहते स्थिति संभाली नहीं जा सकी। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद महिला की स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई। शरीर से अत्यधिक रक्तस्त्राव हो रहा था, लेकिन अस्पताल में न पर्याप्त व्यवस्था दिखी और न ही तत्काल विशेषज्ञ उपचार मिल पाया। परिवार वालों का कहना है कि दर्द से कराहती महिला को देखकर भी अस्पताल प्रबंधन गंभीरता नहीं समझ पाया। हालत बिगड़ती रही और जिंदगी धीरे–धीरे हाथ से फिसलती चली गई। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, तब रेफर करने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। कुछ ही घंटों बाद महिला की मौत हो गई।

एक मौत नहीं, सिस्टम की नाकामी है

भानुमति की मौत के बाद लोगों का गुस्सा सिर्फ एक परिवार के दुख तक सीमित नहीं रहा। ग्रामीणों का कहना था कि यह घटना पूरे ग्रामीण स्वास्थ्य सिस्टम की कमजोर तस्वीर है। आंदोलन प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि निजी अस्पताल मरीजों को भर्ती तो कर लेते हैं, लेकिन गंभीर स्थिति आने पर जिम्मेदारी निभाने में विफल साबित होते हैं।गुस्साए ग्रामीणों ने अस्पताल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और शव को हाईवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शनकारियों की बड़ी मांगें आक्रोशित लोगों ने प्रशासन के सामने कई मांगें रखीं, जिनमें प्रमुख रूप से देवमाता हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त किया जाए, जिम्मेदार डॉक्टरों और प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज हो, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए ग्रामीणों का कहना था कि अगर समय पर सही इलाज मिलता, तो शायद एक मां की जान बचाई जा सकती थी।

प्रशासन पहुंचा मौके पर, आश्वासन पर शांत हुए लोग- नेशनल हाइवे मे शव रखकर चक्काजाम करने की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन, एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत की और स्थिति संभालने का प्रयास किया। तहसीलदार ने बताया कि मामले की जानकारी कलेक्टर तक पहुंचा दी गई है। फोन पर जिला प्रशासन के आश्वासन के बाद 130 सी नेशनल हाइवे से हटे ओर प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच टीम गठित की जाएगी और यदि लापरवाही सामने आती है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। कलेक्टर की ओर से मिले मौखिक आश्वासन के बाद देर शाम परिजन और ग्रामीण शांत हुए तथा चक्काजाम समाप्त कर दिया गया।

फिर कटघरे में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था- क्षेत्र की यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों की स्वास्थ्य सेवाओं पर बड़ा सवाल ▶▶|शेष पेज 14 पर

हाथियों से नुकसान पर अब ऑनलाइन मिलेगा मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

उदंती- सीतानदी टाइगर रिजर्व के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। अब हाथियों और अन्य वन्यजीवों से फसल, पशु, संपत्ति या जनहानि होने पर मुआवज़ा पाने की प्रक्रिया पहले से ज्यादा तेज, डिजिटल और पारदर्शी होगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ एलीफ्रेंड अलर्ट ऐप गजसंकेत" को अपग्रेड कर ऑनलाइन मुआवज़ा प्रबंधन प्रणाली से जोड़ा गया है। नई व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ग्रामीणों को ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। क्षेत्र के वनरक्षक खुद ऑनलाइन दावा दर्ज करेंगे और आवश्यक दस्तावेज व फोटो पोर्टल पर अपलोड करेंगे। दावे की पूरी प्रक्रिया-रेंजर, पटवारी, एसडीओ, डीएफओ से लेकर ट्रेजरी स्तर तक एसएमएस व्हाट्सअप अलर्ट के जरिए ट्रैक की जा सकेगी। विभाग ने दावा प्रक्रिया को 30 दिनों के भीतर ▶▶|शेष पेज 14 पर

ट्रकों में खुलेआम ढोई जा रही हैं सवारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

मंगलवार की सुबह राजिम-देवभोग मार्ग पर एक बार फिर मालवाहक वाहनों में खुलेआम सवारियाँ ढोने का मामला सामने आया है। रायपुर की ओर से आए दो मालवाहक ट्रकों में बड़ी संख्या में लोगों को भरकर देवभोग व ओड़िशा की दिशा में ले जाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि कई यात्री जिनमें छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल थे रायपुर से ही इन ट्रकों में बैठकर आए थे। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं और मौतों के बाद भी ऐसे खतरनाक परिवहन पर रोक नहीं लग पा रही है। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि मालवाहक वाहन लोगों की जान बचाने के लिए नहीं, बल्कि सामान ढोने के लिए बनाए गए हैं। इसके बावजूद चालक कुछ अतिरिक्त कमाई के लालच में इंसानी जिंदगी को दांव पर लगाकर ट्रकों और अन्य मालवाहक वाहनों में सवारियाँ भर रहे हैं। इन वाहनों में न तो यात्रियों की सुरक्षा के इंतजाम होते हैं और न ही किसी प्रकार की आपात सुविधा। ऐसे में जरा सी चूक या तेज रफ्तार सीधे मौत का कारण बन जाती है। ग्रामीणों और सामाजिक लोगों का आरोप है कि आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जाने के बाद भी जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई केवल औपचारिक बनकर रह गई है। यदि पुलिस और परिवहन विभाग समय रहते कठोर कार्रवाई करें तो इस खतरनाक प्रवृत्ति पर काफी हद तक रोक लग सकती है। जो भी ट्रक या मालवाहक वाहन सवारियाँ ढोते मिले, उनके खिलाफ तत्काल जब्ती, भारी जुर्माना और चालक की गिरफ्तारी जैसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों के परमिट निरस्त करने की कार्रवाई भी जरूरी बताई जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि अब भी सख्ती नहीं बरती गई तो हादसों का यह सिलसिला थमने वाला नहीं है और निर्दोष लोगों की जानें यूँ ही सड़कों पर जाती रहेंगी।

भारतमाला प्रोजेक्ट: ओवरब्रिज निर्माण में जान जोखिम में डालकर काम कर रहे मजदूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत शेलके कंपनी द्वारा करोड़ों रुपए की लागत से ओवरब्रिज निर्माण कार्य कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण स्थल पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। साइट पर कार्यरत कई मजदूर बिना सेफ्टी हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स और सुरक्षा जूते के ऊंचाई पर काम करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, निर्माण एजेंसी द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। भारी मशीनों और ऊंचाई वाले कार्य के बीच मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर हैं। निर्माण स्थल पर सुरक्षा संबंधी चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम भी नदारद बताए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि करोड़ों के इस प्रोजेक्ट में मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाना बेहद गंभीर मामला है। यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, कई मजदूरों को न तो उचित सुरक्षा प्रशिक्षण दिया गया है और न ही आवश्यक सुरक्षा किट उपलब्ध कराई गई है। वहीं संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि एनएचएआई और निर्माण एजेंसी मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कितनी गंभीरता दिखाती है या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी।

सुरक्षा और सफाई के पर्याप्त इंतजाम नहीं- निर्माण स्थल पर बड़ी मात्रा में डस्ट और मलमा खुले में पड़ा हुआ है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो ▶▶|शेष पेज 14 पर

बोरसी में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र का उद्घाटन

अब छोटे कामों के लिए नहीं जाना पड़ेगा शहर : रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोरसी में राजिम विधायक रोहित साहू ने अटल डिजिटल सेवा केन्द्र (सीएससी भवन) का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 5 लाख रुपये की लागत से वर्ष 2024–25 में स्वीकृत इस भवन का निर्माण ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को शासन की सेवाओं से सहज रूप से जोड़ने के लिए किया गया है।कार्यक्रम में कलेक्टर बीएस उइके सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर विधायक रोहित साहू ने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केन्द्र के स्थापित होने से गांव के नागरिकों को शासन की ऑनलाइन सेवाएँ अब घर-गांव में ही आसानी से उपलब्ध होंगी, जिससे छोटे-छोटे कामों के लिए शहर की ओर जाना नहीं पड़ेगा।

समय और धन की होगी बचत - उन्होंने बताया कि इस केन्द्र से युवाओं को डिजिटल प्रशिक्षण, प्रमाण-पत्र सेवाएं, ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज संबंधी कार्य और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पंजीयन की सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। इसके माध्यम से न सिर्फ समय और धन की बचत होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में तकनीकी जागरूकता, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर भगवान सिंह उइके, जनपद पंचायत अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू, बोधन साहू, जनपद सदस्य नीतू साहू, ग्राम सरपंच छन्नूलाल साहू, पंचगण आदि उपस्थित थे।

अग्रसेन धाम
SENIOR LIVING HOME
A PREMIUM OLD AGE HOME

1 मई 2026 से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ
छत्तीसगढ़ राज्य का प्रथम प्रीमियम सीनियर लिविंग कम्युनिटी

12.5 एकड़ भूमि में निर्मित 100 सर्व सुविधायुक्त AC कमरों सहित एक लाख वर्ग फीट भवन
सभी धर्म/समुदाय के लोगों के लिए उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं
• योगा कक्ष • गार्डन • लाइब्रेरी • पूजा घर • डेयरी फॉर्म • शुद्ध सात्विक भोजन • जिम • स्विमिंग पूल • साइकिलिंग ट्रैक • लिफ्ट • जनरेटर (50KW) • इनडोर एवं आउटडोर गेम • Wi Fi कैंपस • डॉक्टर/नर्स (24 Hrs) • एम्बुलेंस / टैक्सी (24x7 on Call)
राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (संचालक)
चेयरमैन, अग्रसेन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
मो. 89595 44444
स्थान- ग्राम - डंगनिया, तह.- गुण्डरदेही, (दुर्ग - बालोद मेन रोड़) (दुर्ग से 17KM) जिला - बालोद (छ.ग.)

खबर संक्षेप

किसानों को खाद-बीज उपलब्ध करा रही सरकार : शिवांगी चतुर्वेदी

सुरसाबांधा/राजिम। जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा जिला प्रवक्ता शिवांगी चतुर्वेदी ने कहा है कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया वैश्विक युद्ध और आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही है। कई देशों में महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है, वहीं भारत मजबूत नेतृत्व और

बेहतर नीतियों के कारण आज भी संतुलित स्थिति में बना हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रतिबद्धता के चलते किसानों को खाद-बीज की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में उपयोग होने वाली रासायनिक खाद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात किया जाता है। पेट्रोल और डीजल के मामले में भी देश काफी हद तक आयात पर निर्भर है। वैश्विक युद्ध और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण रासायनिक खाद के आयात पर प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। शिवांगी चतुर्वेदी ने कहा कि किसानों को समय पर डीएपी और यूरिया उपलब्ध हो, इसके लिए शासन स्तर पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

शेड लगा रहे व्यक्ति के साथ तीन लोगों ने की मारपीट

महासमुंद। ग्राम छिबर्रा में शेड लगा रहे एक व्यक्ति के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर दी। सिंघोड़ा थाने में सुब्रत प्रधान पिता नंदलाल प्रधान (40 साल) ने आवेदन देकर बताया कि वह 25 मई को अपनी निजी भूमि खसरा नं. 333 रकबा 0.26 हेक्टेयर भूमि पर शेड का काम कर रहा था, उसी समय पडोसी जयप्रकाश बढाई पिता स्व. नरेंद्र बढ़ाई, रोहन बढ़ाई पिता जयप्रकाश बढ़ाई, सुमंत बढ़ाई पिता स्व. नरेंद्र बढ़ाई ग्राम छिबर्रा ने उक्त भूमि को हमारा है कहकर गाली गलौज कर गला पकड़कर हाथ मुक्का से मारपीट किया तथा जान से मारने की धमकी दी। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एक्सीडेंट में स्कूटी सवार घायल

महासमुंद। एक्सीडेंट में स्कूटी सवार के घायल होने के मामले में सरायपाली थाने में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध सरायपाली थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि चूडामणि नायक पिता डेढ़राज सिंह नायक निवासी विनायक बिहार वार्ड नंबर 13 सरायपाली 21 मार्च को घर से अपने स्कूटी कमांक सीजी 06 जीबी 4697 से सुबह करीब 8.30 बजे नई मंडी की ओर जा रहे थे, गायत्री मंदिर के सामने पहुंचने पर तोषवंत मेहेर पिता क्षमानिधि मेहेर निवासी बादीपाली थाना बिजेपुर जिला बरगढ़ ओडिशा ने अपनी स्कूटी वाहन क्रमांक ओडी 17 एसी 9693 को तेज व लापरवाही पूर्वक चलाकर चूड़ामणि नायक की स्कूटी को टक्कर मार दिया। जिन्हें सीएचसी सरायपाली ले जाया गया तथा चोट की गंभीरता को देखते हुये वहां के डॉक्टर द्वारा रेफर करने पर रायपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लापरवाही : मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से शिकायत, कड़े ऐक्शन की तैयारी

गौरघाट में लाखों की सरकारी दवा-खाद और बीज गोदाम में पड़े-पड़े सड़े, कई हुए एक्सपायरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र से जो तस्वीर निकलकर सामने आई है इससे क्षेत्र के किसानो में भारी आक्रोश और गुस्सा देखने को मिल रहा है। कृषि विभाग के स्थानीय अधिकारियों के भारी लापरवाही के चलते किसानों को सरकार द्वारा वितरण करने के लिए लाए गए दवा, खाद, बीज को किसानों को नहीं बाटा गया और लाखों का दवाई खाद बीज गोदाम में पड़े-पड़े सड़ गया और तो और कई दवाईयों का एक्सपाईरी डेट भी निकल गया है इसकी जानकारी लगते ही क्षेत्र के किसानों में कृषि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति भारी गुस्सा और आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस मामले को लेकर स्थानीय भाजपा नेताओं ने कहा की यह मामला बेहद गंभीर है सरकार द्वारा आदिवासी क्षेत्र के किसानों को खाद बीज दवा मुफ्त में वितरण करने भेजा जाता है लेकिन कृषि विभाग के जिम्मेदार अफसर दवा खाद बीज को वितरण नहीं किया और यह खराब होकर एक्सपाईरी डेट निकल गई। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा गरियाबंद जिले के कलेक्टर से करते हुए जिम्मेदारों पर कार्यवाही की मांग किया है साथ ही लापरवाह जिम्मेदारों से इसकी वसूली किया जाना चाहिए। तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज 03 किमी दूर गौरघाट कृषि विभाग के कर्मचारी निवास में लाखों रूपये के सरकारी दवा और खाद बीज सड़ रहा है इसमें से अधिकांश का एक्सपाईरी डेट निकल गया है लेकिन किसानों को वितरण नहीं किया गया।

- मुख्यालय से नदारद रहते हैं अधिकारी, दूर-दराज से आने वाले आदिवासी किसान परेशान

खास खबर

मामले की जांच कराकर की जाएगी सख्त कार्रवाई

कृषि विभाग उपसंचालक चंदन राय ने बताया की मामले की जानकारी मिली है। इसकी जॉच कराई जायेगी और कहा की कहा दवा रखा गया है इसकी जानकारी ली जा रही है उचित कार्यवाही की जायेगी।

कृषि विकास अधिकारी नहीं रहते मुख्यालय में किसान हो रहे परेशान- छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार द्वारा खरीफ फसल के साथ दलहन तिलहन के रूप में किसानों को चना, मटर, मूंग, सरसो जैसे फसलो को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और खरीफ फसल का सीजन प्रारंभ भी हो गया है लेकिन मैनपुर मे कृशि विभाग के ब्लॉक अधिकारी निवास नही करते हमेशा नदारत रहते है जबकि किसान 80-90 किमी दूर से मैनपुर मैनपुर कृषि विभाग कार्यालय खाद बीज लेने के लिए पहुंच रहे है लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी नहीं रहने से जहां एक ओर बीज लेने में किसानो को दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर किसानो को पर्याप्त सलाह भी नही मिल पा रहा है।

भाजपा मंडल मैनपुर के अध्यक्ष संतोश यादव ने कहा की छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार द्वारा किसानों के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजना संचालित किया जा रहा है लेकिन मैनपुर मे जो किसानो को दवा वितरण करने के लिए आया था उसे वितरण नहीं किया गया और दवा खराब हो गई यह गंभीर मामला है इसमें जिम्मेदारी तय होना चाहिए और इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री कृशिमंत्री एवं गरियाबंद जिले के कलेक्टर से किया गया है।

क्या कहते है कांग्रेस महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस मैनपुर महामंत्री गेंदु यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की यह एक मामला नहीं है यदि निष्पक्षता से जॉच किया जाये तो मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र में कई स्थानों पर कृषि विभाग के ट्रको दवा और खाद खराब होकर सड़ रही है जबकि इसे किसानों को वितरण करना था। श्री यादव ने कहा सरकार पूरी तरह से विफल है इस मामले को लेकर कांग्रेस आंदोलन करेगी।

पतोरा-फिंगेश्वर मुख्य मार्ग पर गड्ढे, टूटे पुल से जान जोखिम में डाल रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

मुख्य नहर-नाली के समांतर बनी पक्की डामरीकृत सड़क, जो पतोरा से फिंगेश्वर थाना, महाविद्यालय, आई टी आई, अस्पताल, जनपद पंचायत कार्यालय तक सैकड़ों गांवों के आवागमन की एकमात्र रीढ़ है, आज गड्ढों से भरी और एक स्थान पर पुल का पर्दा टूटने से दुर्घटना-संकट बनी हुई है। स्थानीय मोटरसाइकिल चालक और कार चालक बताते हैं कि खतरनाक तब और बन जाते हैं जब बरसात में ये गड्ढे पानी से भरे गर्त बन जाते हैं; टूटे-पर्दे वाला पुल पार करना दोपहिया वाहनों के लिए खासतौर पर जोखिमपूर्ण है।

पीएमजीएसवाय विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह मार्ग पाँच वर्ष पूर्व निर्मित हुआ था और अब संधारण निधि समाप्त होने से पैच-मरम्मत भी नहीं हो पा रही। अधिशासी अभियंता ने बताया कि पुनर्निर्माण प्रस्ताव उच्च कार्यालय को प्रेषित है, पर स्वीकृति प्रक्रिया लंबित है। वहीं क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क बनने को महज कुछ ही महिने में पुराने सड़क के उपर बिछिये डामर छोड़ दिये थे,तब से आज चार साल से इस दुखभरी सड़क को मजबुरी में झेल रहे हैं। दूसरी ओर, कुण्डेल-मड़वाडिही मार्ग के लिए कलेक्टर ने गौण खनिज निधि से 5 लाख अनुमोदित किए। विभाग ने ठेकेदार से काम पूरा करा लिया बताया जा रहा है। लेकिन सड़क पर औपचारिकता के सिवाय कुछ भी भी रिपेयर नहीं हुआ। ऊपर से इस सड़क पर कुण्डेल जिला धान संग्रहण केन्द्र से भारी भरकर लोड सैकड़ों ट्रक का आना जाना होती है। इन परिस्थितियों में क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना गरियाबंद से पतोरा-फिंगेश्वर नहर-किनारे की मुख्य सड़क के तत्काल पुनर्निर्माण की माँग की है, ताकि सैकड़ों ग्रामीणों की दैनिक यात्रा सुरक्षित हो सके। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के मुख्य कार्यपालन अभियंता अभिशेष पाटकर ने कोई जवाब तो नहीं दिया,पर विभाग के सुत्रो ने कहा, नहर किनारे पतोरा से फिंगेश्वर मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क का कार्य साधारण राशि न होने के कारण रुका है।

रसेला में मनरेगा कार्य बंद होने से मजदूरों में आक्रोश, पलायन को मजबूर हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

रोजगार गारंटी का कार्य बंद होने से मजदूरों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है, क्योंकि यह ग्रामीण गरीबों के लिए आय का मुख्य साधन और आजीविका की कानूनी गारंटी है। कार्य न मिलने से परिवारों के भरण पोषण का संकट गहराता जा रहा है। विकसित भारत जी राम जी नामक नई व्यवस्था लागू की गई है। जिसके तहत कार्य के दिन बढ़ाकर 125 करने का प्रावधान है। ज्ञात हो कि इसके तहत आसपास सभी पंचायतों में रोजगार गारंटी का नया कार्य स्वीकृत होकर काम चल रहा है लेकिन रसेला पंचायत में अभी तक नया काम का प्रस्ताव भेजने के बाद स्वीकृति नहीं होने से काम नहीं मिलने पर मजदूरों में आक्रोश पनप रहा है। बंद कमरों में होने वाली अधिकारियों की बैठक नुमाइशी साबित हो रही है। किसान और मजदूर रोजगार के अभाव में दिन गुजार रहे हैं। मज़दूरी न मिलने से ग्रामीण गांव छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को ऐसा सौतेले व्यवहार करने से रोजगार का संकट गहरा गया है। बढ़ती मंहगाई के बीच परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। जबकि 15 जून के बाद शासन द्वारा रोजगार गारंटी कार्य बंद कर दिया जाता है। इसका सीधा असर पलायन कर रहे श्रमिकों की बढ़ती संख्या के रूप में देखा जा सकता है। इस तरह मनरेगा काम बंदी ने महिलाओं पर दोहरा बोझ बढ़ाया है। एक तो काम बंदी की वजह से उनकी आय का जरिया छिन गया है और दूसरा इसमें काम न होने की वजह से घर के पुरूषों के पलायन से उन पर पारिवारिक जिम्मेदारियों का दबाव दो गुना हो गया है। ऐसे में अब मजदूरों के पास केवल प्रधानमंत्री आवास ही सहारा बना हुआ हैं। गर्मी के दिनों में पंजीकृत मजदूरों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। अगर जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस संबंध में जनपद पंचायत सीईओ शतीस चन्द्रवशी से संपर्क किया गया मगर फोन रिसीव नहीं किया गया।

भीषण गर्मी और एलनीनो का डबल अटैक, जिले में नौतपा का कहर

महासमुंद। जिले में मई महीने की भीषण गर्मी ने अब अपना सबसे खतरनाक रूप दिखाना शुरू कर दिया है। 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो चुकी है, जो 2 जून तक चलेगी। इस बार ज्योतिषीय गणना और वैज्ञानिक संकेत दोनों ही आने वाले नौ दिनों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ने का इशारा कर रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा पहले ही एलनीनो के प्रभाव की चेतावनी दी जा चुकी है, जिसके कारण इस साल नौतपा के दौरान जिले में आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। हिंदू पंचांग के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब नौतपा की शुरुआत होती है। धार्मिक मान्यता है कि इन नौ दिनों में सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे सीधी और तीखी पड़ती हैं, जिससे तापमान अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच जाता है। जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर दिखने लगा है।

जैन समाज ने मौन बाइक रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

रीवा (मध्यप्रदेश) दुर्घटना में परम पूज्य गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज की परम प्रभाविका आर्यिका श्री 105 श्रुतमति माता जी तथा श्री 105 उपशम मति माता जी के समाधि प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच व संत सुरक्षा नीति की मांग की गई। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में दो दिगंबर जैन आर्यिका माताजी के सड़क दुर्घटना में समाधि होने की दुःखद घटना को लेकर नवापारा में सकल जैन समाज द्वारा गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस घटना के विरोध एवं संत सुरक्षा की मांग को लेकर सकल जैन समाज के विभिन्न जनों द्वारा नगर में मौन बाइक रैली निकाली गई। नगर के जैन समाज द्वारा महावीर चौक गंज रोड में एकत्रित होकर नवापारा तहसील तक मौन रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से समाजजनों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम, तहसीलदार एवं थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से भारत सरकार एवं प्रशासन से रीवा घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच, जैन साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था तथा राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की गई। सकल जैन समाज ने मांग की कि रीवा दुर्घटना प्रकरण की न्यायिक जांच कराई जाए, घटना से जुड़े सभी फुटेज एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए तथा दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही विहाररत संतों की सुरक्षा के लिए प्रशासनिक समन्वय, पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जाएं। इस दौरान सकल जैन समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, युवक-युवतियां एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। समाज ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना एवं विहाररत संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

जेंजरा के डंगनिया तालाब में गहरीकरण कार्य शुरू

कोपरा। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत ग्राम पंचायत जेंजरा के डंगनिया तालाब में गहरीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना, भू-जल स्तर में वृद्धि करना तथा ग्रामीण किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्य प्रारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत की गई। इस दौरान जनपद सदस्य हिरामणी साहू, सरपंच बोधन राम यादव, उपसरपंच

प्रमोद कुमार साहू, पंच पुरन्दर साहू, भेदुदास मानिकपुरी, डिगेश साहू, रामेश्वर साहू, गीता बाई ध्रुव, पंच प्रतिनिधि निर्मल साहू एवं सुमेश्वर साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर रोजगार सहायक मिनेंद्र कुमार साहू सहित ग्राम पंचायत जेंजरा के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने तालाब गहरीकरण कार्य को ग्राम विकास, जल संरक्षण एवं किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रामीणों ने कहा कि तालाब गहरीकरण से वर्षा जल का बेहतर संचयन होगा, जिससे आने वाले समय में जल संकट से राहत मिलेगी तथा किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। पंचायत प्रतिनिधियों ने शासन की इस योजना को ग्रामीण विकास के लिए लाभकारी बताते हुए कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कराने की बात कही।

गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से खेतों में लहलहा रहीं ताजी सब्जियां

तर्रा में सब्जी बाड़ी और जैविक खेती से आत्मनिर्भर बन रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

ग्राम पंचायत तर्रा क्षेत्र के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ सब्जी बाड़ी और जैविक खेती को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। गांवों में कई किसान अपने खेतों में रासायनिक खाद और कीटनाशकों का कम उपयोग कर जैविक तरीके से ताजी एवं स्वास्थ्यवर्धक सब्जियां तैयार कर रहे हैं। इससे जहां किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, वहीं लोगों को शुद्ध और सुरक्षित सब्जियां भी उपलब्ध हो रही हैं। किसानों का कहना है कि वर्तमान समय में लोग स्वास्थ्य के प्रति पहले से अधिक जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण किसान अब अपने खेतों में गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट और जैविक घोल का उपयोग कर सब्जियों की खेती कर रहे हैं। खेतों में भिंडी, लौकी, करेला, टमाटर, बैंगन, मिर्च, धनिया और अन्य मौसमी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जी बाड़ी की यह पहल केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर और विकसित भारत की सोच को भी मजबूत कर रही है। किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर स्थानीय बाजारों में ताजी सब्जियां उपलब्ध करा रहे हैं। इससे गांवों में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं और महिलाओं की भागीदारी भी खेती में बढ़ी है। ग्राम पंचायत तर्रा की प्रगतिशील महिला किसान सेवती पटेल द्वारा भी जैविक खेती एवं सब्जी बाड़ी के माध्यम से लोगों को स्वस्थ और ताजी सब्जियां उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उनकी इस पहल की ग्रामीणों द्वारा सराहना की जा रही है तथा अन्य किसान भी उनसे प्रेरणा ले रहे हैं। किसानों ने बताया कि जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। रासायनिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की सेहत प्रभावित होती है।

भूमि की सेहत और पर्यावरण के लिए वरदान- वहीं जैविक खेती पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक साबित हो रही है। यही कारण है कि अब युवा किसान भी आधुनिक तकनीक और जैविक पद्धति को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रत्येक किसान अपने खेत के छोटे हिस्से में भी सब्जी बाड़ी विकसित करे तो परिवार को शुद्ध सब्जियां मिल सकती हैं और अतिरिक्त उत्पादन से अतिरिक्त आय भी प्राप्त की जा सकती है। यह पहल गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों का मानना है कि स्वस्थ किसान, स्वस्थ गांव और स्वस्थ भारतह्व की सोच के साथ जैविक खेती को बढ़ावा देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। किसानों द्वारा किए जा रहे ये छोटे-छोटे प्रयास आने वाले समय में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव साबित हो सकते हैं।

पेज 13 के शेष...

प्रसूता की मौत...

खड़ा कर रही है। लोगों का कहना है कि दूरदराज क्षेत्रों में निजी अस्पतालों पर लोगों की मजबूरी बढ़ती जा रही है, लेकिन संसाधनों और जवाबदेही की कमी कई बार मरीजों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है। भानुमति मांझी की मौत अब सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि उस दर्द की कहानी बन गई है जिसने पूरे इलाके को बेचौन कर दिया है। मैनपुर देवभोग क्षेत्र के सरकारी अस्पतालो मे स्वास्थ्य सुविधा एवं डॉक्टरो के भारी अभाव के चलते लोगो को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है।

आदिवासी नेताओ ने लगाया गंभीर आरोप- क्षेत्र के आदिवासी नेता धनसिंग मरकाम, युवा नेता कन्हैया मांझी व क्षेत्र के आदिवासी नेताओं ने बताया की नीजी अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के चलते प्रसव पीड़िता भानुति मांझी की मौत हो गई है। यह मैनपुर विकासखण्ड गोहरापदर क्षेत्र की रहने वाली है। इस मामले की निष्पक्ष जॉच होना चाहिए और अस्पताल प्रबंधन पर कार्यवाही किया जाना चाहिए पीड़ित पक्ष के मुआवजा दिया जाये और मामले की निष्पक्ष जॉच किया जाए।

हाथियों से नुकसान ...

ट्रेजरी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल पोर्टल का ट्रायल रन जारी है और मैदानी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अगले महीने इसका औपचारिक शुभारंभ प्रस्तावित है। इस अपग्रेड के बाद प्रभावित किसानों और ग्रामीणों को बार-बार रेंज कार्यालय या पटवारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे रियल-टाइम ट्रैकिंग, समयबद्ध अपडेट और पारदर्शी भुगतान व्यवस्था का लाभ उठा सकेंगे। गौरतलब है कि गजसंकेत ऐप की शुरुआत मार्च 2023 में मानव-हाथी संघर्ष कम करने और ग्रामीणों को हाथियों की गतिविधियों की अग्रिम सूचना देने के उद्देश्य से की गई थी। अब इसे कई अन्य राज्यों ने भी अपनाया है।

भारतमाला प्रोजेक्ट...

सकता है। बारिश के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं की संभावना अधिक बन सकती है। जानकारी के मुताबिक, निर्माण एजेंसी द्वारा सुरक्षा और सफाई के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। इस कारण सड़क पर फिसलन बढ़ेगी और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की इस परियोजना में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। निर्माण स्थल पर न तो डस्ट कंट्रोल के उचित उपाय नजर आ रहे हैं और न ही सड़क सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से निर्माण स्थल पर तत्काल डस्ट कंट्रोल के उपाय करने और मलबे को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है, ताकि नेशनल हाईवे पर यातायात सुरक्षित और सुचारु बना रहे।

खबर संक्षेप

पेट्रोल डीजल का दाम बढ़ना जनता के साथ अन्याय : परमेश्वर यादव

मैनपुर। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल के दामों में की गई बढ़ोतरी को लेकर युवा कांग्रेस ब्लॉक सचिव देवभोग परमे"वर यादव ने कहा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता का

जीवन कठिन बना दिया है ईंधन की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों तथा मध्यम वगऍय परिवारों पर पड़ रहा है। 10 दिनो मे चौथी बार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाना सीधे तौर पर आम जनता किसानो, मजदुरो और मध्यमवर्गीय परिवारो पर आर्थिक हमला है। श्री यादव ने कहा कि खेती किसानी पहले से ही संकट के दौर से गुजर रही है डीजल महंगा होने से सिंचाई, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा की बढ़ती मंहगाई के कारण खाद्य पदार्थों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे आम परिवार का बजट बिगड़ गया है।

नारायण सोनी बने रायपुर जिला अध्यक्ष

नवापारा-राजिम। सर्व समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव ने कोर कमेटी की अनुशंसा पर संगठन को मजबूत करने के लिए रायपुर वृंदावन हॉल में

स्थापना दिवस की अवसर पर अभनपुर विधानसभा के रायपुर जिला अध्यक्ष नारायण सोनी को नियुक्त किया है। सोनी के नियुक्ति पर विभिन्न समाज प्रमुखों में ईश्वर पटेल,डां, वाय, के, साहू, फतीश साहू, पत्रकार श्याम किशोर शर्मा, लीला राम साहू, टिकेंद्र सिंह ठाकुर, प्रदीप शर्मा, संतोष साहू, राधाकृष्णटंडन, टुभनपाल, भरत देवांगन, वेदव्यास तारक, यश साहू, हिमांशु साहू, सन्त तिवारी, धनेश्वर साहू, दीपक दीवान, ओमप्रकाश सोनकला, लक्ष्मी कांत ठाकुर, जितेन्द्र सिन्हा, धर्मेन्द्र पटेल, धनराज सोनी, हेमलाल ध्रुव, पंकज साहू, अप्पू तिवारी, सहित सभी समाज प्रमुखों ने बधाई दी है।

महंगाई के खिलाफ मैनपुर में आज किसान कांग्रेस का प्रदर्शन

मैनपुर। किसान कांग्रेस ब्लॉक मैनपुर अध्यक्ष पारेश्वर नेगी ने कहा की खरीफ फसल का

सीजन प्रारंभ हो गया है अभी से क्षेत्र के किसान खाद बीज की किल्लत से परेशान हो गए हैं। पेट्रोल डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे है किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस द्वारा 27 मई दिन बुधवार सुबह 11 रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होने सभी किसान भाईयों के साथ कांग्रेसजनों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील किया है।

हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर मची अफरा-तफरी, क्रेन से हटाए गए वाहन

बेकाबू ट्रक ने कार को मारी टक्कर दुकान में जाकर घुसा, युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶|राजिम

शहर में सोमवार रात करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पहले एक कार से टकराया और फिर सड़क किनारे स्थित फोटो फ्रेमिंग की दुकान में जा घुसा। हादसे में एक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं दुकान के सामने का हिस्सा भी टूट गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। चौक में फोटो फ्रेमिंग दुकान के संचालक हेमनाथ वर्मा ने बताया कि हादसे से कुछ समय पहले ही वे दुकान बंद कर घर के लिए निकले थे यदि उस समय दुकान खुली रहती तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। दुर्घटना में दुकान के सामने का हिस्सा और अंदर रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद कुछ समय तक सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा जिसे पुलिस ने बहाल किया। ये दुर्घटना शहर के पंडित सुंदर लाल शर्मा चौक में हुई जहां पूरे 24 घंटे लोगों का आना जाना रहता है। गाड़ियों की रेलमपेल रहती है। इस दुर्घटना के बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

हादसों का ब्लैक स्पॉट बना सुंदरलाल शर्मा चौक

राजिम-गरियाबंद नेशनल हाइवे 130 पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक में इन दिनों लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटना गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। शहर के मध्य स्थित यह चौक अत्यंत संवेदनशील माना जाता है, जहां सुबह से लेकर देर रात तक सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। बावजूद इसके अधिकांश वाहन चालक चौक में प्रवेश करते समय अपनी रफ्तार कम नहीं करते, जिसका परिणाम आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ रहा है। सोमवार रात हुई दुर्घटना ने एक बार फिर इस चौक की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संबंधित ट्रक चालक ने चौक के पास अपनी गति नियंत्रित रखी होती तो इतना बड़ा हादसा टाला जा सकता था। लोगों का आरोप है कि चौक में चारों दिशाओं से लगातार लोगों और वाहनों का आना-जाना बना रहता है, इसके बावजूद भारी वाहन चालक बेलगाम रफ्तार में वाहन दौड़ाते हैं।

लापरवाह चालकों पर हो सीधे एफआईआर

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक शहर का प्रमुख मार्ग होने के साथ-साथ बाजार, आवासीय क्षेत्र और विभिन्न संस्थानों को जोड़ने वाला मुख्य केंद्र भी है। यहां दिन भर बुजुर्ग, महिलाएं और आम राहगीर आवागमन करते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन और यातायात विभाग से मांग की है कि चौक में नियमित रूप से सख्त चेकिंग अभियान चलाया जाए। जो वाहन चालक निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाते पाए जाएं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि सिर्फ चालानी कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गंभीर लापरवाही बरतने वाले वाहन चालकों के वाहन जब्त कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए ताकि दूसरों में भी कानून का भय बने। नागरिकों ने चौक में स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक लगाने की भी मांग की है। साथ ही चौक के आसपास स्थायी यातायात पुलिस की तैनाती किए जाने की आवश्यकता जताई गई है ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। शहरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं। लोगों ने जनहित और सुरक्षा को देखते हुए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर रोक लगाई जा सके। बता दें कि इसी चौक से देवभोग-उड़ीसा स्टेट, महासमुंद, छुरा मार्ग के लिए गाड़ियां आती जाती है। ढेर सारे यात्री गाड़ियां और रेत भरी हाईवा भी जान को जोखिम में डालते नजर आती है। ऊपर से तुर्रा यह कि यात्री गाड़ियां सड़क के ऊपर ही यात्रियों को उतारती और बिठाती भी है जिससे यह सड़क और भी सकरी हो जाती है।

नवापारा में इंद्रकुमार साहू का स्वागत

नवापारा-राजिम। मंगलवार को शहर पहुंचे विधायक इंद्रकुमार साहू का भाजपा कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत किया। स्वागत करने वालो में पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, मुकुंद मेश्राम, पार्षद जीना-सुजीत निषाद, नम्मु नारायण ध्रुव, निर्मला-धीरज साहू, पूजा कंसारी, लोमेश्वरी साहू, सौरभ जैन, चेतन साहू, अशीष गोलछा, फेकनु साहू सहित अनेकों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

सोखता गड्ढा निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सुरसाबांधा

क्षेत्र में लगातार गिरते भूजल स्तर और गर्मी के मौसम में बढ़ते जल संकट को देखते हुए जल संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता अभियान तेज हो गया है। गांव-गांव में लोगों को सोखता गड्ढा निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि घरों से निकलने वाले बेकार पानी एवं वर्षा जल का सदुपयोग कर भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके। इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने के लिए क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण सक्रिय रूप से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। गांवों में लगातार सूखते जलस्त्रोत और नीचे जाते जलस्तर को देखते हुए अब छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से जल बचाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोखता गड्ढा निर्माण को सबसे सरल और प्रभावी उपाय बताया जा रहा है। अभियान से जुड़े लोगों ने बताया कि सोखता गड्ढा निर्माण से गांवों में गंदे पानी का जमाव नहीं होगा, जिससे स्वच्छता बनी रहेगी और बीमारियों में भी कमी आएगी। घरों से निकलने वाला पानी यदि सही तरीके से जमीन में

समाहित किया जाए तो भूजल स्तर बढ़ाने में काफी मदद मिल सकती है। ग्रामीणों को यह भी समझाया जा रहा है कि लगभग 3 फीट लंबा, 3 फीट चौड़ा एवं 3 फीट गहरा सोखता गड्ढा बनाकर उसमें कंकड़, पत्थर, बजरी और रेत डाली जाती है। इसमें घरों का नहाने, कपड़े धोने एवं बर्तन साफ करने का पानी तथा वर्षा जल छोड़ा जाता है, जिससे पानी धीरे-धीरे जमीन में समाहित होकर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बनता है। अभियान में प्रमुख रूप से पंडित पुष्कर प्रसाद तिवारी, हरख साहू, दीपक साहू ,सोहनलाल साहू, गिरवर यादव, देवेंद्र साहू, रिपुसुदन निर्मलकर, मुकेश ध्रुव , विक्रम साहू, मिलाप साहू,लिखन साहू, सरिता पटेल, विजय साहू, नेतराम पटेल, टोमन साहू, रूपेश साहू, हरि साहू, कमलेश यादव, मालती साहू, सौहद्र साहू, कांति बाई पटेल, अनिता सांतनु निषाद डेमन निषाद पटेल, इंद्राणी तिवारी, तनु साहू एवं बिसरू साहू सहित अनेक ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यदि प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार इस दिशा में छोटे-छोटे प्रयास करे तो आने वाले समय में जल संकट की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अभियान के माध्यम से लोगों को ‟जल बचाएं, भविष्य बचाएं” का संदेश दिया जा रहा है, ताकि गांव स्वच्छ, स्वस्थ और हराभरा बन सके।

राजापड़ाव क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को तरस रहे आदिवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶|मैनपुर

- 29 मई को गोना के समाधान शिविर में जिला अफसरों को घेरने की रणनीति

गरियाबंद जिले के तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगभग 30 किमी दूर ग्राम कोकड़ी में किसान संघर्ष समिति की बैठक आयोजित किय गया जिसमें क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष दैनिक राम मंडावी ने कहा कि राजापडाव क्षेत्र के रहवासी आदिवासी मूल निवासी संविधान की पांचवी अनुसूची व पेसा कानून 1996 से संरक्षित क्षेत्र के निवासी हैं। अत्यंत खेद के साथ कहना पड़ रहा है। आजादी के 79 वर्ष बाद भी शासन प्रशासन शिक्षा स्वास्थ्य आवागमन पुल पुलिया बिजली शुद्ध पेयजल पट्टा सहित बुनियादी मूलभूत सुविधा दिलाने नाकाम रही है। जिसके कारण क्षेत्र की स्थिति

बद से बदतर है। शोषित पीड़ित वंचित क्षेत्र के सैकड़ो लोगों ने कई बार शासन प्रशासन से आवेदन निवेदन पत्रचार सैद्धांतिक संघर्ष आंदोलन यहां तक के पदयात्र सड़क जाम कर क्षेत्र के समस्याओं को शासन प्रशासन के सामने रखने का सार्थक प्रयास किया गया लेकिन मात्र आश्वासन ही मिला अंतर दिखा तो बिजली के लिए किया गया। 10 ग्राम पंचायत के समस्याओं का समाधान के लिए छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा सुशासन तिहार समाधान शिविर 29 मई दिन शुक्रवार को गोना में आयोजन किया गया है। जिनके तैयारी भी हो रही है। लेकिन वहां पर एक साथ सभी लोग सामूहिक रूप से पहुंचकर लंबित व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं पर जिला स्तर के अधिकारियों से समाधान के दिशा में क्या हुआ खुलकर चर्चा करेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से दैनिक राम मंडावी अध्यक्ष किसान संघर्ष समिति, रामदेव मरकाम, लोकनाथ मरकाम, पतंग मरकाम अध्यक्ष जय अंबेडकरवादी युवा संगठन, दीनाचंद मरकाम सरपंच कोचेंगा, घनश्याम मरकाम सरपंच शोभा, कृष्ण कुमार नेताम सरपंच प्रतिनिधि अड़गडी, टीकम मरकाम सरपंच प्रतिनिधि भूतबेड़ा, नरेश नेताम सरपंच प्रतिनिधि गोना, बिसरु राम मरकाम उप सरपंच, बिकऊ राम मरकाम उपसरपंच, रविंद्र मरकाम, निरंजन नेताम, भानू नेताम, भगवान सिंह नेताम, ठाकुर राम नेताम, नवलू मरकाम, चौन मरकाम, रामलाल सोरी, हेमराज यादव, चमार सिंह नेताम, पति राम मरकाम, मेहत्तर मरकाम सहित 8 ग्राम पंचायत के सैकड़ो लोग शामिल रहे।

रसेला के सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में मनाया गया गंगा दशहरा

रसेला। ग्राम रसेला में 25 मई को एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण व सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में गंगा दशहरा एक नदी पुजन का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ प्रशिक्षण केन्द्र से सभी किशोरी और महिलाओं ने बाजे -गाजे के साथ शीतला तालाब पहुंचकर मां गंगा की विधि विधान से पूजा अर्चना कर गंगा आरती का आयोजन किया गया। और सुख समृद्धि व परिवार की खुशहाली के लिए कामना किए। तत्पश्चात प्रशिक्षण केन्द्र में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महेंद्र द्विवेदी छुरा फाउंडेशन एकल ग्रामोत्थान का अध्यक्ष, सचिव हेमंत सिन्हा, उपसरपंच परमेश्वर यादव, ग्राम प्रमुख रामेश्वर सिन्हा, यशराम यादव,मोबिलाइजर दिव्यानंद यादव, रसेला सेंटर के ट्रेनर संगीता साहू सहित सभी ट्रेनिंग लेने किशोरी बालिका और महिलाएं मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में महेंद्र द्विवेदी ने कहा कि यहां पर सिर्फ सिलाई मशीन का प्रशिक्षण के साथ साथ संस्कार, शिक्षा और व्यवहारिक ज्ञान भी दिया जाता है, जिससे दीप मंत्र, ब्रम्हानाथ, गायत्री मंत्र, सरस्वती वंदना,मातृ प्रणाम,देव वाक्य के साथ शनिवार और मंगलवार को हनुमान चालीसा भी किया जाता है। इसी कड़ी में सचिव हेमंत सिन्हा ने कहा कि आप सभी को अपने लक्ष्य में ध्यान देते हुए आगे बढ़ना है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उपसरपंच परमेश्वर यादव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह किशोरी बालिका और महिलाएं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे प्रयास समाज में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देते हैं। संचालित नारी शक्ति कटाई सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के ट्रेनर संगीता साहू ने बताया कि पहले तीन माह से प्रशिक्षण का प्रारंभ किया गया है, जिसमें आस-पास के किशोरी बालिका और महिलाएं ट्रेनिंग ले चुकी है। एक मई से फिर ट्रेनिंग तीन माह के लिए दिया जा रहा है। जिसमें ग्राम रसेला, सुरगपानी, मेडकीडबरी, रूवाड, मुढीपानी, कुडेरादादर, भरूवामुडा, कोठीगाव सहित आस-पास क्षेत्र किशोरी बालिका और महिलाएं ट्रेनिंग लेने अपना उपस्थित दे रहे हैं।

जिला प्रशासन ने बकरीद पर्व पर लगाई दण्ड अधिकारियों की ड्यूटी

गरियाबंद। ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण एवं कानून व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न तहसीलों में कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार 28 मई 2026 को अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में तैनात रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गरियाबंद चितेश कुमार देवांगन तथा नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गरियाबंद योगेन्द्र कुमार देवांगन को संपूर्ण तहसील गरियाबंद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी छुरा मयंक अग्रवाल तथा नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पाण्डुका डोनेश्वर साहू को संपूर्ण तहसील छुरा क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी राजिम डिंपल ध्रुव एवं नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी राजिम तारेन्द्र कुमार ठाकुर को संपूर्ण तहसील राजिम की जिम्मेदारी दी गई है। तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी फिंगेश्वर रमेश मेहता को संपूर्ण तहसील फिंगेश्वर, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी देवभोग अजय कुमार चंद्रवंशी को संपूर्ण तहसील देवभोग, प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी मैनपुर सुशील कुमार भोई को संपूर्ण तहसील मैनपुर तथा तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अमलीपदर गैंदलाल साहू को संपूर्ण तहसील अमलीपदर क्षेत्र के लिए नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों को उक्त तिथि के दौरान सतर्क रहकर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

अवैध रेत खनन व परिवहन मामले पर अब तक वसूला 9.5 लाख से अधिक का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶|राजिम

ग्राम पितईबंद में खनिज रेत के अवैध उत्खनन होने पर खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा 24 मई को जांच कर अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर 1 चैन माउटेंन मशीन को जब्त कर सुरक्षार्थ के लिए सरपंच ग्राम पंचायत पितईबंद की अभिरक्षा में आगामी आदेश तक सुपुर्द किया गया है। 25 मई 2026 को खनिज अमला द्वारा तहसील छुरा के ग्राम नागझर में अवैध खनन की शिकायत प्राप्त होने पर मौके पर 1 चैन माउटेंन जब्त कर थाना फिंगेश्वर की अभिरक्षा में रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में खनिज रेत के अवैध उत्खनन के 3 प्रकरण में 3 लाख 30 हजार का समझौता राशि और अवैध परिवहन के 24 प्रकरणों पर 6 लाख 23 हजार 750 रुपए की कार्यवाही की गई है। खनिज रेत के अवैध उत्खनन 7 प्रकरणों एवं अवैध परिवहन के 13 प्रकरणों में कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अवैध उत्खननकर्ता, परिवहनकर्ताओं के वाहन पर एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जावेगी। यह कहना सही नही है कि बेखौफ दौड़ रही रेत से भरी हाईवा, अवैध खनन और प्रशासनिक उदासीनता है। जिला स्तरीय टास्कफोर्स समिति द्वारा पृथक-पृथक कार्यवाही लगातार किया जा रहा है।

सुशासन तिहार में शमिल होंगे प्रभारी मंत्री केदार कश्यप

नवापारा-राजिम। वन, परिवहन एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप 8 जून को ग्राम परसदा में आयोजित होने जा रहे सुशासन तिहार में पहुंचेंगे। यह जानकारी देते हुए किसान नेता चंद्रिका साहू ने बताया कि वे मंत्री जी के बंगला पहुंचकर सुशासन तिहार में आमंत्रित होने आग्रह किया। जिसे वे सहर्ष स्वीकार किए है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

सुशासन तिहार : समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांगों को बांटी ट्राइसिकल व व्हीलचेयर

नागझर में उमड़ा 15 गांवों का जनसैलाब, 1117 आवेदनों में से अधिकांश का मौके पर निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

■ विधायक रोहित साहू ने बांटी पीएम आवास की चाबियां

राज्य शासन द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए राजिम विधानसभा क्षेत्र के नागझर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में 15 गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और शासन की विभिन्न योजनाओं तथा सेवाओं का सीधे लाभ उठाया। कुल 1117 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया गया। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से समस्याओं, शिकायतों और मांगों को सुना गया तथा अधिकारियों ने ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह शिविर सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों को सीधे जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाना है, ताकि हर व्यक्ति सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जी सके। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सरकार निरंतर कार्यरत है। सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण परिवारों को सक्षम, सशक्त और विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है और ग्रामीणों को ऐसे शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए, ताकि उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ सके।

योजनाएं तभी सार्थक, जब लाभ सही जरूरतमंद तक पहुंचे : मीरा ठाकुर

जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने कहा कि यह शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएँ तभी सार्थक होती हैं जब उनका लाभ सही जरूरतमंद तक पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं और बच्चों के कल्याण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

पांच महिलाओं की गोदभराई कर दिए उपहार

शिविर के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा एक हितग्राही को ट्राईसाइकिल तथा एक हितग्राही को व्हीलचेयर प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पांच महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें उपहार प्रदान किए गए तथा तीन बच्चों का अन्नप्राशन संपन्न कराया गया। दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। चार हितग्राहियों को आवास की चाबियां सौंपी गईं। कृषि विभाग द्वारा चार लोगों को हरी खाद, दो किसानों को जाल तथा दो किसानों को आइस बॉक्स प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य लेखराम ध्रुर्वा, शिवांगी चतुर्वेदी, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष स्निग्धा शर्मा, जनपद उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ओबीसी संयोजन समिति की बैठक में जनसंख्या के अनुपात में उचित प्रतिनिधित्व की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

ओबीसी संयोजन समिति के बैनर तले ओबीसी समाज जिला गरियाबंद की महत्वपूर्ण संगठनात्मक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के संस्थापक अधिवक्ता शत्रुघ्न सिंह साहू ने कहा कि ओबीसी वर्ग बहुसंख्यक समाज है। इस समाज द्वारा दिए गए करों से ही सरकारी तंत्र संचालित हो रहा है, किंतु दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जनसंख्या के अनुपात में ओबीसी समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि शासक वर्गों ने हमें विभिन्न जातियों और सांस्कृतिक परंपराओं में बांटकर कमजोर किया है। अनुसूचित जाति व जनजाति की भांति ओबीसी समाज भी सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा हुआ है। संविधान लागू हुए 90 वर्ष बीत जाने के बाद भी हम एकजुट नहीं हो पाए हैं, इसका मुख्य कारण जातिगत नेतृत्वकर्ताओं की स्वार्थपरक महत्वाकांक्षा और असंवैधानिक संगठनात्मक ढांचा है। अधिवक्ता शत्रुघ्न सिंह साहू ने आह्वान किया कि अब हमें अपने वोट और नोट की शक्ति को एकजुट करना होगा। धार्मिक कार्यों में अंधाधुंध दान-दक्षिणा बंद करना चाहिए तथा सामाजिक न्याय और भागीदारी के विरुद्ध बोलने वालों का पुरजोर विरोध करना चाहिए। प्रदेश कार्यसमिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रचारक टिकेश्वर साहू ने संगठन के सात प्रमुख उद्देश्यों को दोहराते हुए कहा कि हमें अपने मित्र और शत्रु की सही पहचान करनी होगी। अपने गौरवशाली इतिहास का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे हमारे विरुद्ध होने वाले राजनीतिक षड्यंत्रों को आसानी से समझा जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार जिला स्तरीय बैठकें आयोजित कर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के संविधान में सम्मिलित ओबीसी जातियों पर सामाजिक सर्वेक्षण कर उन्हें शेड्यूल करने की तत्काल आवश्यकता है, ताकि संवैधानिक रूप से हमारी पहचान और अधिकारों को मजबूती मिल सके। जिला नेतृत्व फलेंद्र कुमार साहू, छविराम साहू, दुष्यंत कुमार साहू, मनोहर चक्रधारी (संगठन मंत्री, कुम्हार समाज) तथा कृष्ण कुमार पटेल (जिला अध्यक्ष, शाकंभरी शक्तिपीठ) ने संयुक्त रूप से कहा कि इस बैठक से हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई है।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस 31 मई को

गरियाबंद। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी धूम्रपान एवं नशापान से होने वाले दुष्परिणाम के प्रति समाज में जन चेतना विकसित करने के लिए 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिससे जन सामान्य में धूम्रपान के विरूद्ध सकारात्मक वातावरण निर्मित हो सके। तम्बाकू या तम्बाकू युक्त निर्मित विभिन्न उत्पादों के सेवन से सभी वर्गों में गंभीर व्याधियां परिलक्षित हो रही है, जो सभी के लिए चिंता का विषय है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रवृत्ति के विरूद्ध व्यापक जन चेतना विकसित करने के लिए जनपद पंचायत ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत जन सामान्य, मीडिया प्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संस्थाओं, प्रतिष्ठित नागरिकों, भारत माता वाहिनी के सहयोग से नशापान के दुष्परिणामों के बारे मे बताने के लिए 31 मई को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिसमें तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों पर चर्चा एवं दुष्प्रभावों की जानकारी समुदाय में प्रचारित करना, सोशल मीडिया में नशापान के दुष्प्रभावों का प्रचार, प्रेरक नाटक, गीत परिचर्चा एवं यथा संभव योगाचार्यों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास का प्रदर्शन तथा इससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान, स्कूल, कॉलेज में नशामुक्ति संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, भारत माता वाहिनी एवं समुदाय के सहयोग से वृहद रैली, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नशापान से होने वाले दुष्परिणामों पर केन्द्रित व्याख्यान, चित्रकला, गीत, नृत्य, नाटक, प्रतियोगिताएं तथा मानव श्रृंखला का आयोजन, समारोह स्थल पर प्रदर्शनी, नशामुक्ति से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशामुक्ति साहित्य का वितरण इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

नवापारा में कांग्रेसजनों ने दी झीरम घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

कांग्रेस कार्यालय संगवारी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार को झीरम घाटी के शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें शहीदों को याद करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामा यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक परंपरा और जनसेवा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी वीर नेताओं एवं सुरक्षाकर्मियों का त्याग सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी शहादत हमें न्याय, शांति और जनहित की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करती रहेगी। शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। कार्यक्रम में धनराज मध्यानी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस, जीत सिंग पूर्व उपाध्यक्ष, चन्द्रहास साहू पूर्व उपाध्यक्ष, चतुर जगत पूर्व उपाध्यक्ष, पार्षद अर्जुन साहू, अजय साहू, हेमंत साहनी, टिकेश्वर गिलहरे, सुरेन्द्र साहू, रामकुमार शर्मा, गुड्डु मिश्रा, सन्तु साहू, बीरबल राजपूत, निर्माण यादव, दाऊ राम साहू, अजय गाड़ा, विजय तारक, संजय यादव, रघुवीर निर्मलकर, सुनील शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

महंगाई व खाद संकट को लेकर कांग्रेस का पैदल मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों तथा किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिलने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस भवन से तिरंगा चौक तक पैदल मार्च निकालकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा आम जनता और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार को घेरा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता किसान और आम नागरिक शामिल हुए। हाथों में कांग्रेस के झंडे तख्तियां और बैनर लेकर कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई, खाद संकट और कृषि क्षेत्र की समस्याओं पर सरकार से जवाब मांगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का असर हर घर के बजट पर पड़ रहा है वहीं किसानों को खेती के लिए पर्याप्त खाद नहीं मिलने से खरीफ सीजन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला ने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि से परिवहन से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी हो गई हैं। दूसरी ओर किसान खाद के लिए भटकने को मजबूर हैं। समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों में भारी नाराजगी है और खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। पदयात्रा तिरंगा चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई जहां कांग्रेस विधायक जनक ध्रुव ने भी सरकार पर तीखा हमला बोला। नेताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और कच्चे तेल की कीमतों का हवाला देकर आम जनता पर महंगाई का बोझ डाला जा रहा है, जबकि किसानों की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी की जा रही है।

कांग्रेस ने प्रमुख रूप से पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में तत्काल कमी करने तथा किसानों के लिए यूरिया और अन्य खादों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। सभा के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार चित्रेश देवांगन को राज्यपाल एवं कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस

उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर पवन सोनकर, रमेश शर्मा, नीरज ठाकुर, सन्नी मेमन, पुष्पा साहू, लोकेन्द्र कोमर्रा, खेदू नेगी, डॉ. चिराग अली, कमलेश यदु, ओंकार सिंह ठाकुर, सेवन पुजारी, श्रवण सतपथी, सुभाष यादव, कुंजल यादव, मेघराज बघेल, महेश्वर बघेल, जुनैद खान, रमीज़ राजा, राजेश साहू, अमित मिरी, प्रेम सोनवानी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही।

चारधाम की यात्रा कर लौटे युवाओं का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

चारोधाम की यात्रा कर लौटे भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वीरेंद्र साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मछुवारा प्रकोष्ठ मदन निषाद, ग्राम पंचायत सरकड़ा उपसरपंच महेश्वर साहू, हेमंत साहू का ग्रामवासियों ने गुलाल लगाकर फुल माला पहनाकर आरती कर स्वागत किया। इस धार्मिक यात्रा के बारे में वीरेंद्र साहू ने कहा कि चारधाम यात्रा भारतीय सनातन संस्कृति की जीवंत पहचान है। कठिन परिस्थितियों और लंबी पैदल यात्रा के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था यह सिद्ध करती है कि भारत की आध्यात्मिक चेतना आज भी विश्व में अद्वितीय है। युवाओं को जीवन में एक बार अवश्य देवभूमि उत्तराखंड की यात्रा करनी चाहिए। यात्रा के दौरान क्षेत्रवासियों, मित्रों एवं परिजनों ने सभी यात्रियों को सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। लोगों ने कहा कि इस प्रकार की धार्मिक यात्राएँ युवाओं में संस्कार, आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को मजबूत करती हैं तथा समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं। धार्मिक आस्था, सनातन संस्कृति और देवभूमि उत्तराखंड के प्रति अटूट श्रद्धा का परिचय देते हुए राजिम क्षेत्र के ग्राम सरकड़ा के युवाओं ने पवित्र चारधाम यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न की। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने कठिन मौसम, दुर्गम पहाड़ी रास्तों एवं लगातार पैदल चढ़ाई का सामना करते हुए यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम के दर्शन कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। श्रद्धालुओं ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता एवं आध्यात्मिक वातावरण जीवनभर याद रहने वाला अनुभव है। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने माँ धारादेवी शक्तिपीठ में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही ऋषिकेश एवं हरिद्वार स्थित विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों का भी दर्शन किया। हरिद्वार के प्रसिद्ध हर की पौड़ी में पवित्र गंगा स्नान एवं भव्य गंगा आरती में शामिल होकर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इसके अलावा शांतिकुंज, माँ मनसा देवी शक्तिपीठ सहित अनेक धार्मिक स्थलों में दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। यात्रा में शामिल युवाओं ने बताया कि चारधाम यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि आत्मिक शुद्धि, संयम, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति को निकट से अनुभव करने का दिव्य अवसर है। ऊँचे हिमालय, बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाएं, कल-कल बहती पवित्र नदियां एवं मंदिरों की दिव्यता ने यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया।

भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

नौतपा की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र में भीषण गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। लगातार बढ़ते तापमान ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। क्षेत्र में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिसके कारण सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं और दोपहर होते-होते हालात इतने खराब हो जाते हैं कि सड़कें सुनसान नजर आने लगती हैं। बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी कम भीड़ दिखाई दे रही है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।गर्मी का सबसे ज्यादा असर अब वन्यजीवों और पक्षियों पर दिखाई देने लगा है। रसेला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में चमगादड़ भीषण गर्मी

और लू की चपेट में आकर मर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चमगादड़ पेड़ों से ठीक उसी तरह नीचे गिर रहे हैं जैसे तेज हवा में पके आम टूटकर गिरते हैं। कई जगहों पर आवारा कुत्ते पेड़ों के नीचे बैठे इन चमगादड़ों के गिरने का इंतजार करते नजर आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार लगातार धूप में रहने और शरीर में पानी की कमी होने से हीटस्ट्रोक, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी, सिरदर्द और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। साथ ही अधिक से अधिक पानी पीने, नींबू पानी, छाछ और ओआरएस का सेवन करने तथा हल्के सूती कपड़े पहनने की अपील की गई है। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

1 जुलाई से लागू होगा वीबी-जी-रामजी अधिनियम

मजदूरों को मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

केन्द्र शासन ने ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम-2025 बीबी-जी-रामजी को 01 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने की घोषणा की है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) 2005 का स्थान यह नवीन अधिनियम लेगा। नई योजना के तहत अब प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिवस रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी, जबकि पूर्व में यह सीमा 100 दिवस थी। योजना का उद्देश्य केवल मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास, आजीविका संवर्धन और जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की क्षमता को मजबूत करना है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवार ग्राम पंचायत के माध्यम से रोजगार के लिए आवेदन कर सकेंगे तथा आवेदन मिलने के 15 दिवस के भीतर रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। समय-सीमा में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर पात्र हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। मजदूरी भुगतान व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया गया है। मजदूरी राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिको के बैंक अथवा डाकघर खातों में अंतरित की जाएगी। भुगतान में विलंब होने पर प्रतिदिन 0.05 प्रतिशत की दर से क्षतिपूर्ति राशि देने का प्रावधान भी रखा गया है। नई योजना में जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना निर्माण, बाढ़ नियंत्रण, पशुपालन एवं मत्स्य विकास, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, जलवायु अनुकूल कार्य तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। विकसित ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्राम सभाओं की सहभागिता से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन किया जाएगा। कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लिए स्वच्छ पेयजल, छाया, प्राथमिक उपचार किट और छोटे बच्चों की देखभाल जैसी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों और अमले को दिया जाएगा प्रशिक्षण : सीईओ

कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने कहा है कि यह अधिनियम ग्रामीण विकास की दिशा में दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक पहल है। इससे गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि जिले में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तैयारियां प्रारंभकर दी गई हैं तथा ग्राम पंचायत स्तर तक जनजागरुकता अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चन्द्राकर ने कहा कि नई व्यवस्था में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। विकसित ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्राम सभाओं की सहभागिता से स्थानीय आवश्यकता आधारित कार्यों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा, ताकि पात्र ग्रामीण परिवारों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।